

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2171

24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र

2171. श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या मंत्रालय के पास विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावर्ती में विनिवेश हेतु कोई प्रस्ताव लंबित है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी स्थिति क्या है;
- (ख) क्या मंत्रालय को जानकारी है कि संयंत्र की क्षमता और अवसंरचना का अल्प उपयोग हो रहा है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा संयंत्र की क्षमता और अवसंरचना के पूर्ण उपयोग के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (ग) सरकार द्वारा संयंत्र के कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं/प्रस्तावित हैं तथा इस प्रयोजन हेतु कितना निवेश प्रस्तावित है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री विष्णु देव साय)

(क): जी हाँ। आर्थिक मामले संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र के योजनागत विनिवेश के लिए दिनांक 27.10.2016 को 'सैद्धांतिक रूप से' अनुमोदन प्रदान किया है। विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र के प्राथमिक सूचना ज्ञापन पूर्णता के स्तर पर है।

(ख) और (ग): जी हाँ। विवरण **अनुलग्नक-1** दिया गया है।

विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात उत्पादन का कार्य-निष्पादन

(मीट्रिक टन में)

उत्पाद	स्थापित क्षमता	वित्त वर्ष 2014-15	वित्त वर्ष 2015-16	वित्त वर्ष 2016-17	वित्त वर्ष 2017-18*	वित्त वर्ष 2018-19* की प्रथम छमाही
हॉट मेटल	2,16,000	67,603	60,760	53,115	-	-
क्षमता उपयोग		31%	28%	25%	0%	0%
तरल इस्पात	1,26,000	47,278	43,563	40,679	-	-
क्षमता उपयोग		38%	35%	32%	0%	0%
क्रूड इस्पात	1,18,000	45,386	41,951	39,326	-	-
क्षमता उपयोग		38%	36%	33%	0%	0%
बिक्री योग्य इस्पात	98,280	35,184	35,528	26,327	16,514	4,310
क्षमता उपयोग		36%	36%	27%	17%	8.77%

* पर्याप्त ऑर्डरों की कमी और प्रतिस्पर्धी दरों में कोक और लौह अयस्क जैसी इनपुट सामग्रियों की उपलब्धता के कारण ब्लास्ट फर्नेस और इस्पात उत्पादन सुविधा प्रचालन स्थिति में नहीं है।

सेल, वीआईएसपी के कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के लिए निम्न उपाय करते हुए लगातार कार्य कर रहा है:

- वैश्विक निविदा को अपनाते हुए विभिन्न इनपुट कच्चे माल की अधिप्राप्ति लागत में कमी।
- विद्युत व्यापार और विद्युत व्हीलिंग के माध्यम से विद्युत लागत में कमी।
- वैकल्पिक ईंधन अर्थात् कोल बेड मीथेन (सीबीएम) गैस को अपनाते हुए ईंधन लागत में कमी।
- उत्पाद मिक्स का विविधीकरण।
- रक्षा के लिए नए उत्पादों का विकास।
- दीर्घावधि टाई-अप सहित गहन विपणन।
